KENDRIYA VIDYALAYA BILASPUR

अभ्युदय- THE AGGRANDIZEMENT



वार्षिक ई-पत्रिका (2024-25)

हमारे संरक्षक



Commissioner, Ms Nidhi Pandey, IIS, KVS



Deputy Commissioner, Sh. Varun Mitra, GURGAO REGION, KVS



Assistant Commissioner, Shri Sanjit Kumar



Assistant Commissioner, Shri Pritam Singh



Assistant Commissioner, Shri Didar Singh



Assistant Commissioner, Shri Bhupesh Bhatt

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
Kendriya Vidyalaya Sangathan
क्षेत्रीय कार्यालय/REGIONAL OFFICE
केन्द्रीय विद्यालय क्र.1,ए.एफ.एस. कैम्पस, सैक्टर-14
KV No.1, AFS Campus,Sector-14
गुरुग्राम (हरियाणा)/ Gurugram (Haryana)-122001
Phone: 0124-2307399(DC), 2307499, 2307599, 2307699
E-mail Id:dckvsrogurgaon@gmail.com

फा. 32095/2024/केविसं/क्षे.का.(गुरुग्राम)/ 17657

दिनांक: 28.11.2024
11.12

सन्देश



मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि केंद्रीय विद्यालय बिलासपुर शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए वार्षिक विद्यालय ई-पत्रिका "अभ्युदय" का प्रकाशन करने जा रहा है| यह विद्यार्थियों की अविश्वसनीय प्रतिभा, आकर्षक कल्पना और रचनात्मकता को प्रदर्शित करती है|

यह महत्वपूर्ण है कि छात्र अपनी प्रतिभाओं से अवगत हों और ऐसा करने का सबसे अच्छा तरीका है कि विद्यालय पत्रिका में उनके काम को प्रदर्शित किया जाए| उनके कार्य को जब पत्रिका में प्रदर्शित किया जाता है, तो उसे देखकर वह अपनी उपलब्धि पर गर्व महसूस करते हैं, क्योंकि उनके कार्य को वास्तविक दर्शकों द्वारा पढ़ा जाता है| विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों को आदर्श नागरिक बनने में मदद करती है| यह विद्यार्थियों की विरासत को जीवित रखने और वर्तमान घटनाओं का दस्तावेजीकरण करने में मदद करती है|

मैं विद्यालय के प्राचार्य,सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों को उनके इस अनुपम प्रयास के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ|

(वरुण मित्र)
उपायुक्त

केन्द्रीय विद्यालय, बिलासपुर
हरियाणा|

प्राचार्य की कलम से.....



सह-पाठयक्रम गतिविधियों के बिना शिक्षा आत्मा को शिक्षित किए बिना मन को शिक्षित करने के समान है। यह गतिविधियां छात्रों को अलग-अलग तरीके से सीखने और बढ़ने में मदद करती हैं। हालांकि वर्तमान समय में इन गतिविधियों को सह- पाठ्यक्रम न कह कर पाठ्यक्रम का ही अंग बना दिया गया है। इसी क्रम में हमारा विद्यालय सत्र 2024- 25 की वार्षिक विद्यालय पत्रिका प्रकाशित करने जा रहा है। यह पत्रिका विद्यार्थियों की विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता के साथ-साथ उनकी सृजनशीलता का भी प्रतीक है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका सभी विद्यार्थियों को भी पाठ्य सहगामी क्रियाओं में प्रतिभागिता हेतु प्रोत्साहित करने में सक्षम होगी। विद्यालय गतिविधियों में मार्गदर्शन हेतु मैं अपने माननीय अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति, माननीय उपायुक्त, केंद्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम एवं सहायक आयुक्त के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ।

पत्रिका के प्रकाशन में विद्यार्थियों, शिक्षकों व संपादक मंडल के सराहनीय प्रयासों हेतु मैं इन सभी को शुभकामनाएँ देता हूँ तथा ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि विद्यालय प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर रहे ।

श्री मनीष सेमवाल

प्राचार्य

FROM THE DESK OF THE EDITOR….



I would like to welcome to all in the annual E-Patrika of session 2024-25 of Kendriya Vidyalaya Bilaspur. I am very proud and happy to inform you that we are all set to bring out the vidyalaya E-Patrika with new hopes and colours, which is surely going to unravel the untold world of the most unforgettable and precious moments of the vidyalaya.

Through this patrika, it is our endeavor to lead our young generation towards creation. Creativity and originality should develop in them. This patrika is a small effort to engrave the soft feelings of the students' mind.

It is said that the time that has passed does not come back, therefore it is our endeavour to present to you the live moments of the vidyalaya life of these children. In the coming times, other children may also be inspired to create literature.

Teachers along with students play an important role in every work of the vidyalaya. Students' performance gets the right direction only under the guidance of teachers. Therefore, the publication of the vidyalaya patrika is a commendable work due to the collective and successful efforts of the entire vidyalaya family.

I heartily congratulate the Principal of the vidyalaya 'Mr. Manish Samwal' for the publication of the E-Patrika, under whose precise guidance we were able to complete this work.

I express my gratitude to all the members of the patrika production committee and all the employees of the vidyalaya.

The contribution of the parents who give positive support in every work of the Kendriya Vidyalaya Bilaspur family is also commendable. Your efforts help in the disciplined and successful life management of the students, so you definitely have a role in the formation of values in the children. The same values were displayed directly and indirectly in this vidyalaya patrika.

In the end, I want to congratulate all of you on the successful publication of the vidyalaya E-Patrika. I wish from the Supreme Power that we help in building an ideal society in this way.

Dr. Anjana, TGT-English

STAFF LIST

Sr. No.	Name	Designation
1	Mr. Azad Kumar	TGT-Social Science
2	Mrs. Vijaya	Librarian
3	Ms. Preeti Shukla	TGT-PHE
4	Mrs. Sukhwinder Kaur	TGT-Hindi
5	Mr. Amit Kumar Gupta	TGT-WE
6	Mr. Pardeep Garg	TGT-Maths
7	Dr. Anjana	TGT-English
8	Mr. Sushil	TGT-Sanskrit
9	Mr. Ankush Kumar	PRT-Music
10	Mr. Hitesh Kumar	PRT
11	Mr. Shrikrishan	PRT
12	Mr. Vikram Sharma	PRT
13	Mr. Ajay Kumar	PRT
14	Mrs. Priya Malik	PRT
15	Ms. Supriya Pal	PRT
16	Mr. Onkar Singh	SSA
17	Mr. Satayjit	JSA

EDITORIAL BOARD

Chief Editor : Dr. Anjana, TGT-English

English Section : Dr. Anjana, TGT-English

Sanskrit Section : Mr. Sushil

Hindi Section : Mrs. Sukhwinder Kaur, TGT-Hindi

Designed by : Dr. Anjana, TGT-English

CONTENT

हिंदी अनुभाग	
English Section	
संस्कृत अनुभाग	
Vidyalaya Activities	
- Deputy Commissioner's visit -Annual panel inspection -Online Lottery of class I admission -FLN -CCA -BS&G -EBSB	-AEP -Parents Teachers Meeting -MEDICAL CHECK UP -CDP -LIBRARY CLUB -GAMES AND SPORTS -FCP -Financial Literacy Camp
Remedial Classes	
Canvas Corner	

हिंदी अनुभाग

सर्दी आई

सर्दी आई, सर्दी आई,
ठंड की पहने वर्दी आई,
घर से कोई बाहर न निकले।
ओढ़ लिए कंबल और रज़ाई, सर्दी आई, सर्दी आई।

नाम- निर्भी, कक्षा-5

खड़ा हिमालय

खड़ा हिमालय बना रहा है,
डरो न आंधी पानी में,
खड़े रहो तुम अविचल हो कर, हर संकट तुफानी में,
प्रण से तो तुम सब कुछ पा सकते हो नभ के तारे।
अचल रहा जो अपने पथ पर लाख मुसीबत आने में,
मिली सफलता जग में उसको, जीनेमें मर जाने में।

दिव्या रानी, कक्षा-6

कितने तारे?

आसमान में कितने तारे,
मुझको लगते है वो प्यारे। छोटे-छोटे, सुंदर, सुंदर,
मुझको लगते हैं वो प्यारे ।

दूर है इतने कोई पास,
न जाए, जो भी जाए,
जलकर राख हो जाए।

आसमान में कितने तारे,

मुझको लगते हैं ये प्यारे।

आसमान में हैं इतने तारें।

जो हम गिन न पाए सारे ।

नाम - हिमानी, कक्षा-5

क्या वो कहलाते ?

रात में वो आते, दिन में छुप जाते।

नाम बताओ उनका, क्या वो कहलाते?

आसमान में रहते, तारों से बातें कहते।

नाम बताओ उनका, क्या हम उन्हें कहते ?

रात में वो चमकते, दिन में वो न दिखते ।

नाम बताओ उनका, क्या वो कहलाते ?

कभी वो हो जाते पूरे, कभी वो हो जाते आधे

कभी वो हो जाते गायब, फिर वो रात को भी न दिखते।

नाम बताओ उनका, क्या हम उन्हें कहते ?

पता चल गया मुझे, है उनका क्या नाम? क्या हम उन्हें कहते।

नाम है उसका चाँद, जिनको हम कहते मामा।

मिलकर रख दिया उनका नाम चँदा मामा।

पर चला नहीं पता मुझे, क्या उनको बिमारी ?

कभी वो घटते, कभी वो बढ़ते। तारों से रखते यारी।

नाम - दिव्या, कक्षा-8

जादुई बरतन

एक गाँव में एक गरीब परिवार रहता था। उस परिवार की एक लड़की रीती पढ़ने में बहुत होशियार थी। एक दिन वह स्कूल से घर आ रही थी। रास्ते में उसे एक बरतन मिला। अचानक वहाँ एक परी आई उसने कहा "

धन्यवाद बच्ची तुमने मेरी मदद की।" रीती बोली " कैसी मदद परी।" परी ने कहा " मैं इस बरतन में पिछले 6 सालों से फंसी हुई थी क्योंकि मुझे एक दानव ने शराप दिया था। रीती तुमने मेरी मदद की इसलिए तुम इस जादुई बरतन की हकदार हो। तुम जो मांगोगी वो तुम्हें मिलेगा। बस तुम्हें कहना है "जादुई बरतन मेरी एक इच्छा पूरी करो।" यह कह कर परी चली गई। रीती भी बरतन लेकर चली गई। घर आकर उसने सारी बात अपनी माँ को बतायी, उसकी माँ को विशवास नहीं हो रहा था। इसीलिए उसने बरतने से एक इच्छा पूरी की लेकिन यह सभी बातें उसकी बहन सुन रही थी, और उसने सोचा " मैं इसे रात को चोरी कर लूँगी, फिर उसने ऐसा ही किया। लेकिन जब उसने उसे देखा तो उसे लगा कि यह काम कैसे करता है। वह अलग - अलग मंत्र बोलने लगी पर बरतन ने बहुत शोर कर दिया और रोती वहाँ आ गयी। उसने देखा की यह बरतन मेरा है तो उसने अपनी बहन से कहा " तुमने इसे चोरी क्यों किया फिर रीती की माँ वहाँ आई और उसे पीटने लगी और रीती की बहन ने सब सच बता दिया।

शिक्षा : हमे चोरी नहीं करनी चाहिए।

नाम:- अनुष्का, कक्षा-6

मटके का जादु

एक गांव में एक सुनीता नाम की लड़की अपनी माता के साथ रहती। कुछ समय पहले उसके पिता की मृत्यु हो गई थी, इसीलिए उसकी माता आजीविका चलाने

के लिए घर- घर जाकर काम करती थी, जिससे वह अपनी बेटी का दाखिला एक विद्यालय में करा सके। एक दिन सुनीता अपने दोस्तों के साथ जा रही थी।वह उनके साथ एक जंगल के रास्ते से गुजर रही थी, तब उसकी नज़र नीचे गिरे एक मटके पर पड़ी। उसने वह मटका उठाया और वह घर आ गई। उसने सारी कहानी अपनी माँ को बताई । उसकी माँ ने उसे कहा की अब इस मटके को यहाँ रख दो और खाना खा लो। सुनीता मटके को रखकर खाना खाने चली गई जाते समय उसके हाथ से खुल कर एक घड़ी मटके में गिर जाती है। जब सुनीता वापिस आकर देखती है तो उसमें बहुत सारी घड़िया बन जाती हैं। वह हैरान हो जाती है। यह बात वह अपनी माता को बताती है, लेकिन उसकी माँ को उसकी बात पर विश्वास नहीं होता। तब वह जानने के लिए उसमें एक रुपए का सिक्का डालती है और देखते ही देखते 1 रुपए का सिक्का 10 रुपए बन गए अब उन्हें समझ में आ गया कि यह एक जादुई मटका है उस दिन से सुनीता और उसकी माँ ख़ुशी-ख़ुशी अपना जीवन यापन करने लगे।

कृति, कक्षा-6

रमेश की किताब

बहुत समय की बात है, एक गाँव में एक रमेश नाम का लड़का रहता था। वह सबकी मदद करता था। एक दिन वह जंगल में जा रहा था। तभी उसकी नजर नीचे गिरी किताब पर पड़ी, वह सोच रहा था " कि यह किताब किसकी होगी। जब उसने उस किताब को उठाया तो अचानक वहाँ एक देवी प्रकट हुई और उसने कहा "तुम सबकी मदद करती हो, इसलिए यह जादूई किताब तुम रखो तभी रमेश बोला " यह कैसे काम करती है?" देवी बोली "अगर तुम इस किताब में कुछ लिखोगे तो वह सच हो जाएगा।" रमेश वहाँ से चल दिया और घर आकर सारी

बात अपनी पत्नी को बताई लेकिन सारी बात रमेश की बहन ने सुन ली और उसने सोचा " मैं इसे चोरी कर लूँगी।"

रमेश की बहन वह किताब चोरी कर ली। सुबह उठकर रमेश ने देखा की किताब मेज पर नहीं है। वह अपनी पत्नी को पूछने लगा तो उसकी बहन ने बताया कि शायद तुम्हारे बहन ने चोरी कर ली होगी फिर वह उसके घर गए लेकिन वहाँ कोई नहीं था तभी उसकी नजर बिस्तर पर रखी किताब पर पड़ी रमेश बोला तुम ठीक कह रही थी कि किताब मेरी बहन ने चुराई थी। तभी उसकी बहन आ जाती है और रमेश उस पर भड़क जाता है तो उसकी बहन डरकर सारी बात बता देती है।

शिक्षा-इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी भी चोरी नहीं करनी चाहिए।

तनिष्का, कक्षा-6

बूझो तो जानो

◆ एक कागज का घोड़ा, धागे की लगाम, छोड़ दो धागा तो करे सलाम।

- पतंग

◆ पानी मेरा जैसा रूप, सुखा न पाए मुझको धूप।

- पसीना

◆ दिन में जागे रात को रोए, जितना रोए उतना खोए।

- मोमबत्ती

◆ देने से घटती नहीं, करिए जी भर दान, छीने से छीनती नहीं, देते बढ़ता मान।

- विद्या

◆ चढ़े नाक पर पकड़े कान, बोलो लोगों को कौन शैतान?

- शैतान

प्रणव, कक्षा-8

English Section

Teacher's Section

PROMOTING READING HABIT

Most of was would like to read more books, which establishing consistent reading habit but like starting and keeping up it up with any new habit, becoming a regular reader can be difficult.

I told you of most effective techniques which I found to help me be a productive and consistent reader and because they're based an fundamental principles of habit building and behavioural psychology. I believe they can help anyone learn to build a solid, more Consistent reading habit.

"To acquire the habit of reading is to construct for yourself refuge from almost all the miseries of life." .....**W. Somerset Maugham**

Here are tips to help you cultivate consistent reading habits-

1. Determine you reading goal:- In order to create a reading habit & culture, it's important to start by setting a goal. This goal should be articulate and backed up with a purpose. Once you are done placing a target figure to your readily goal, then divide them into smaller goals. Be determined to make it an enjoyable process; don't see it as a tasking chore.

2. Make a list of books for each months:- write out a list of amazing books you want to read. Ask for recommendations from friends and mentors or teachers. It is important to keep a notepad listing the books you'll like to read for each mouth.

3. Read at-least 10-20 pages a day:- Consider setting aside at least 10-20 pages per day to read, especially if you have a busy schedule. This process will help you stay focused as you look forward to accomplishing your daily goal of a specific number of pages. Be very proactive when you read as discussed earlier in seven habits of highly effective people.

4. Invest in tools that encourage reading:- When it comes to efficiency, it's important to invest in the right tools that will set the pace for a better reading pattern for those love hard copy books, consider setting aside a good reading environment with appropriate table & chair to help you stay focused.

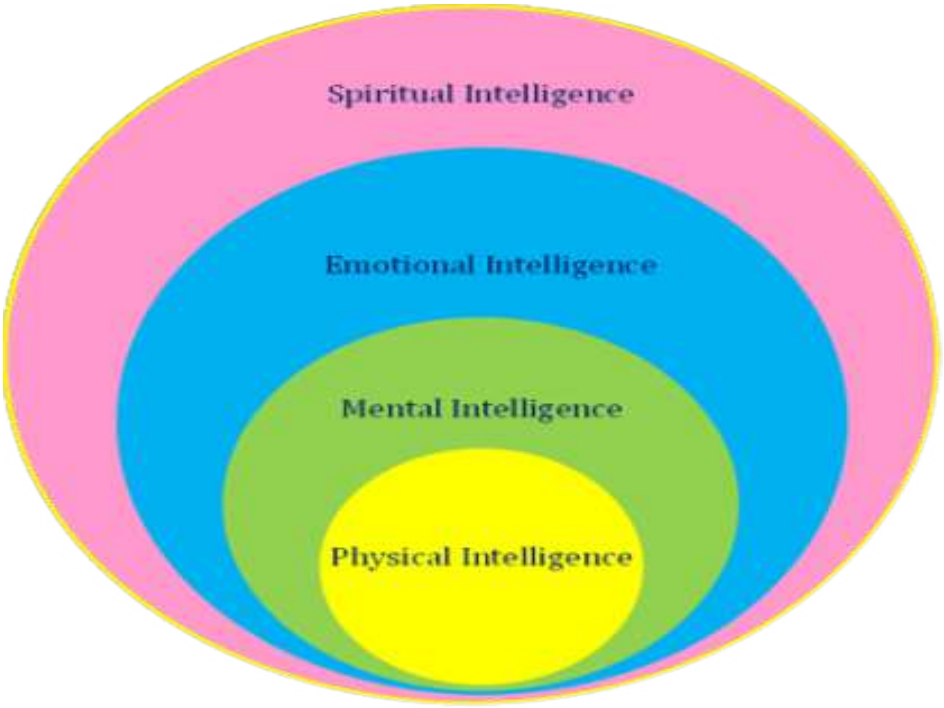
5. Set reading times & day:- Read for a is at least 30-40 minutes a day is a great start and would help you develop a concrete reading habit as you'll always look forward to having your "me time" that supports your reading goals.

6. Get a reading partner or Book club:- With a book club, you'll create a concrete strategy that constantly keeps you motivated and inspired to grow beyond your comfort zone. Such gathering gives you an opportunity to discuss lessons you learn and other thoughts.

Ms. Vijaya, Librarian

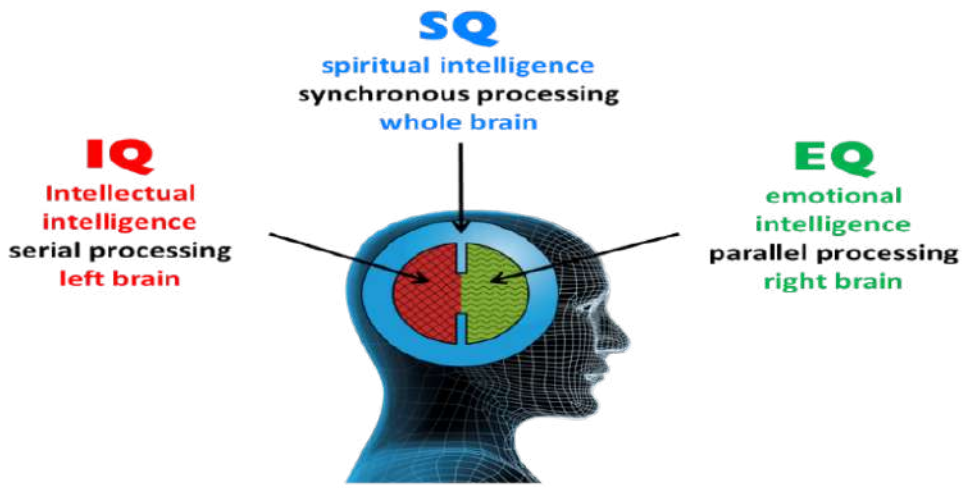
SPIRITUAL INTELLIGENCE

"Spiritual intelligence allows you to tap into a greater source of infinite wisdom and unconditional love."



In the last few decades, there has been a growing debate and some very substantive changes on the concept of intelligence. Gone are the days when the official line on intelligence was that it was a measurable quantity by means of IQ tests. Then the concept of emotional intelligence(EQ) and Physical intelligence (PI) was introduced. Emotional intelligence is not accessed like a fact or an answer, it is more a process of scanning the ways in which an individual experiences things working in the past and anticipating the way he might operate in a new situation in the future. Physical intelligence is ultimately concerned with understanding our body,

creating a positive relationship between our mind and body. It is the ability to detect and actively manage the balance of chemicals in our brain so that we can achieve more experience, less stress and live more happily. The latest concept in intelligence is of Spiritual Intelligence(SQ). The spiritual intelligence helps an individual to live his individuality in line with the recent scientific discoveries about the true nature of reality.



The above image clearly presents the importance of SQ. SQ is more important than any other intelligence and it can be defined as:-

$$SQ = IQ + EQ$$

Spiritual intelligence is a higher dimension of intelligence that activates the qualities and capabilities of the authentic self (or the SOUL), in the form of wisdom, compassion, integrity, joy, love, creativity and peace. It is defined as human capacity to ask questions about the ultimate meaning of life and the integrated relationship

between us and the world in which we live. It helps us understand the purpose of our existence and to see things as they really are. When we develop spiritual intelligence we enjoy an increased ability to pick out the actions, experiences, beliefs and values that create greater meaning and purpose in our individual lives.

The French philosopher Teilhard De Chardin once said, ***"We are not human beings having a spiritual experience, we are spiritual beings having a human experience."***

This quote inspires me. It gives me great hope and purpose. It generates meaning in a world where meaning is sometimes difficult to make. To be spiritually intelligence is to be fully engaged in becoming the best you- because it facilitates your ability to know exactly who the best you are.

"Spiritual intelligence is the expression of innate spiritual qualities through your thoughts, actions and attitudes", says Brahmakumari Shivani.

In order to truly understand spiritual intelligence, it is useful to first be clear on what we mean when we use these two words. To be 'Spiritual' is to think, act and interact from an awareness of self as spirit not form, soul not body. Most of us taught to believe we are our physical forms, and so we identify with our body or the labels we give to our bodies such as nationality, race, gender, profession etc. This wrong sense of

self is what creates all fear, anger and sadness in life. From a spiritual point of view these emotions are always the result of ego (misidentification), which then blocks access to your true spiritual nature which is peaceful, loving and joyful.

Intelligence is to use what you know in the right way at the right time in the right place with the right intention. For example, if you ***'Know'*** yourself as a spiritual being you will also ***'Know'*** that you do not own or possess anything. When something in your life is damaged or lost, it does not affect you in any way- you are able to use your spiritual power to accept and move on. If someone praises the clothes you were, or insults you in any way or comments negatively about your looks, you are not affected because you ***'Know'*** that your real beauty lies within your character, within your nature, which no one can ever take away. In that moment you draw on the inner power of that knowledge and use it to remain stable in the face of others negativity. In effect you are drawing on your spiritual strength which is only released when you know who and what you are, and then using that strength in the right way, in the right place at the right time.

<u>Ways to develop spiritual intelligence</u> –

As you incorporate the fact that everything and everyone is connected; that you have the innate ability to access higher sources of wisdom, you will start to connect to your intuition. Then you will be more

present in the now, more resilient, feel happier, know exactly how to help others thrive.

Spirituality talks about to an existence apart from the physical/material realm, and you need to develop certain capacities in order to access it. Here are five ways you can develop your spiritual intelligence: -

1) <u>Practice stillness-</u> your spirit exists in a subtle realm of reality. It is important that you_give yourself space to quiet your mind, away from all the noise and movement of the outer world, so you can connect to your spirit.

Your soul ***"Whispers"*** to you. In order to hear the messages coming from your higher self, it is important that you make room to hear.

You can practice stillness through different practices, from mediation to taking a quiet walk out in nature, to sitting below a tree.

Anything that allows your mind to focus inward, instead of figuring out how to deal with the ever-changing elements of the outside world. Stillness is a place to just be. No judgement, no rush, no guilt. Just a moment in time for you to be aware of who you are.

2) <u>Develop your self-awareness-</u> This is about connecting to your true self, discovering your inner world, and living your life aligned to your soul's purpose.

The moments of stillness will allow you to know yourself at deeper

levels, but being self-aware is a practice that you should really focus on. Be aware of the sensations in your body, of the smells around you, of the task you are doing, of the thoughts that roam in your mind.

3) <u>Live your purpose with intention-</u> Intention is your internal GPS system. Knowing what you want to create and why it is important for you will fuel your intrinsic motivation and guide your thoughts.

I believe we come to this planet to live our purpose. Our soul already knows what this purpose is, and all we have to do is remember.

Purpose is the long-term mission of your soul. Your intention helps you align to this purpose on a daily basis.

4) <u>Understand that everything is connected-</u> Every element of creation is intertwined at a cellular level, and everything that we think, do and say has an effect on our surroundings. Everything is made up of energy. We are 4% physical and 96% energy beings.

The tree, the cat walking down the street, the clouds etc., Everything has energy and we are always exchanging this energy between one another.

High-vibrational energies, such as love, empathy, compassion and joy, help raise the energy vibration of everything around you. While low-vibrational energies, like- fear, guilt, anger, or shame, do the opposite.

The outside world will always be a reflection of what is going on

inside yourself. So in order to change the world, you have to change yourself.

5) <u>Be Open-</u> Open your mind to receive new information. Open your heart to give and receive unconditional love to others. Open your senses to learn about the world in different ways.

Being open means your willingness to perceive everything as it comes, not the way you think it should, but the way it is, without judgement. It is the concept of allowing your intuition to guide the way, without our intellect trying to label what comes.

When you are open, you will also learn to see beyond the surface of every situation. You will learn to view life from different perspectives. You will learn to re-frame every challenge from another perspective and access different solutions. Be open to receiving guidance and intentionally ask for it. Be open to let go of control and allow your higher self to guide the way when you need.

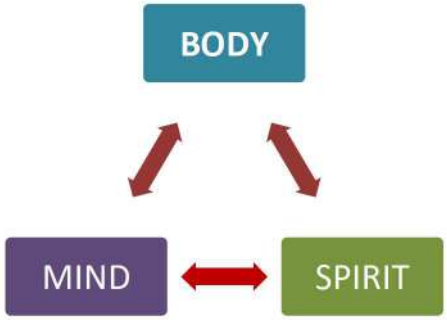
Always trust that love and compassion can make a huge impact!

<u>Conclusion-</u>

Human intelligence is full of complexity and IQ or EQ, alone or in combination is inadequate to explain the vast richness of the very essence and imagination of the human psyche and intelligence. Spiritual intelligence is the intelligence of the soul which helps to analyze the cause of a person's existence and to attain heightened

status of consciousness.

Generally, we hesitate to talk about spiritual intelligence, because we don't want to go in depth or reality of life. We want to live and enjoy only the material things. But reality is that Spiritual intelligence is the ultimate intelligence. It coordinates all the three aspects of our life i.e. **BODY, MIND AND SPIRIT.**



So give a chance to yourself to work on the ultimate intelligence (Spiritual Intelligence) and experience the real world.

Dr. Anjana, TGT-English

Student's Section

TEACHER

Thank you Teacher,

You're so kind

You gave me joy

And peace at mind

You helped me dream

You gave me so

I would not mope.

You gave me strength.

So I can see.

A future that Belongs to me

A future that

looks really bright

Thanks for showing

Me the light

Mannat, 5th

TREES

Trees are yellow, trees are green,

Some are thick and some are lean.

They give us fruits and flowers,

also give us lovely showers.

They are home to many birds,

We can't express their importance in words.

They give us shade,

and don't let our life fade.

Bhoomit, 8th

A SMILE

A Smile is quite a funny thing,

I wrinkles up Your face.

And when it's gone,

You'll never find.

It's secret hiding place,

But far more wonderful it is

To see what smiles can do.

You smile at one,

He Smiles at you,

And so one Smile Be happy makes two.

Janvi,8th

EDUCATION

Education is the Key,

To unlock your destiny.

It opens up your mind,

To the wonders you can find.

Education is the light,
That guides you through the night.
It helps you see the truth,
And make the best of your youth.

Education is the power,
That makes you grow and flower.
It gives your skills and confidence,
And prepares you for excellence.

Education is the gift,
That you should never miss.
It enriches your life & soul,
And helps you reach you to your goal.

Pranav,8th

VALUE OF TIME

Time slips away,
like sand in the glass,
Moments lost forever in the past,
Hours turn to days and days to years,
Memories fade, through joy and tears,
Time keeps moving, never stands still,
We chase it, but it eludes our will.

Pranav,8th

UNTIL I WIN

It's not over until I win,

Nobody believes in you,

You've lost again and again,

The lights are cut off,

But you're still looking at your dream.

Reviewing it everyday and saying to yourself,

It's not over until I win.

Pranav,8th

TECHNOLOGY

In our life there are different types of machines that we use. We are thankful for technology because human do work take so much time, but with the help of technology we can save so much time. There are many scientist who made different machines, like Radio made by Guglielmo Marconi. The most importance invention in the field of technology is electricity made by Benjamin Franklin. Without invention of electricity many things like fan, AC, car etc. would also not invented. But technology has harmful effects on our environment also. Our environment has been becoming over-heated day by day. In ozone layer which is at southern part of the earth, there is a very big hole . Therefore, we have to use technology very carefully .

Aadip Giri,7th

FARMER

Farmers are the back bone of any nation. They are the one who provide us all the food items. Farmers are the real father of a nation, because as a father takes care of his children in the same manners they care for the whole nation.

A farmer's life seems very simple, but really very challenging. He goes to the fields early in the morning, when the rest of the world is sleeping comfortably in their warm beds. He faces all the climatic hardships without any complaint.

We should do respect the Farmers.

Prabhkirat,7th

IMPORTANCE OF EDUCATION

Education is the most important thing in our life. It improves our knowledge, skills and develops the overall personality and attitude. It makes our life prosperous and meaningful. It is the foundation of human development. It is said that education is the third eye of human beings.

Education teaches us to be polite. When you are educated you know, when to speak and when to remain silence. Education is the most powerful weapon to change the world Education is that properly that not be stolen. We can take this property of education where ever we go.

It is a ray of light in the darkness. It is certainly a hope for a good life. Education is the only thing that have no disadvantage. While getting education you will loose nothing.

Shanaya,5th

RIDDLES!

● What has a head and a tail, but no body?

- a coin

● What gets bigger, the more you take away?

-A hole

● I will fill a room but take up no space. What am I ?

-Light

● The more you take, the more you leave behind. What am I ?

-Footsteps

● I have no life, but I can die. What am I?

- A battery

Ishika, 8th

AMAZING FACTS

Did you know?

* One human hair can support 3 ounces.

* The human eye blinks an average of 4,200,000 times a year.

* An ostrich eye is bigger than its brain.

* If you sneeze to hard, you can break a rib.

* Almonds are a part of the peach family.

* The average person eats almonds 1500 Lbs of food a year.

Ishika, 8th

संस्कृत अनुभाग

कुछ महत्वपूर्ण संस्थानों के नाम और उनके संस्कृत में ध्येय-वाक्य:

संस्थान	ध्येय वाक्य	हिन्दी अर्थ
केन्द्रीय विद्यालय	तत् त्वं पूषन् अपावृणु	हे ईश्वर, आप उसे अनावृत्त कीजिए (ज्ञान पर छाए आवरण को हटाइए)
जवाहर नवोदय विद्यालय	प्रज्ञानम ब्रह्म	उच्च ज्ञान ही ब्रह्म है
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड	असतो मा सद्गमय	हमें असत्य से सत्य की ओर ले चलें
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर	तमसो मा ज्योतिर्गमय	हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलें
गोरखपुर विश्वविद्यालय	आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः	हमारे लिए सभी ओर से कल्याणकारी विचार आएं

आन्ध्र विश्वविद्यालय	तेजस्वि नावधीतमस्तु	हमारा ज्ञान तेजवान बने
भारतीय प्रबंधन संस्थान, लखनऊ	सुप्रबन्धे राष्ट्र समृद्धिः	सुप्रबन्ध से राष्ट्र समृद्ध होता है
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	विद्ययाऽमृतमश्नुते	विद्या से अमृत की प्राप्ति होती है
दिल्ली विश्वविद्यालय	निष्ठा धृतिः सत्यम्	निष्ठा, धृति और सत्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान	योऽनूचानः स नो महान्	जो वेद शास्त्रों का ज्ञाता है वो ही महान है
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान	उत्तिष्ठ जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत	उठो, जागो और श्रेष्ठ लोगों से सीखो
विश्व हिन्दू परिषद	धर्मो रक्षति रक्षितः	(धर्म की) रक्षा की जाए तो धर्म (भी) रक्षा करता है

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय	श्रुतं में गोपाय	(हे भगवान!) मेरे श्रुत (सीखे हुए) की रक्षा करें
नौसेना	शं नो वरुणः	जल का देवता वरुण हमे शांति प्रदान करे
वायु सेना	नभः स्पृशं दीप्तम्	आकाश को स्पर्श करने वाले देदीप्यमान
थल सेना	सेवा अस्माकं धर्मः	सेवा हमारा धर्म है
भारतीय तट रक्षक	वयम् रक्षामः	हम रक्षा करते हैं
डाक तार विभाग, सैन्य अभियन्ता सेवाएं	अहर्निशं सेवामहे	(हम) दिनरात सेवा करते हैं

भारत सरकार	सत्यमेव जयते	सत्य की ही जीत होती है

प्रतिष्ठा, कक्षा-अष्टमी

सुभषितानि

1. मूर्खस्य पञ्च चिह्नानि गर्वे दुर्वचनं मुखे।

हठी चैव विषादी च परोक्तं नैव मन्यते ।।

हिंदी अर्थ:- मूर्ख के पाँच लक्षण होते हैं: अहंकार करना, मुंह से बुरे वचन निकालना, हठी होना, हमेशा उदास रहना, और दूसरों की बातों को नहीं मानना।

2. अयम निज: परोवेति गणना लघुचेतसाम।

उदार चरिता नाम तु वसुधैव कुटुम्बकम्।।

हिंदी अर्थ:- यह मेरा है, यह उसका है, ऐसी गणना छोटे हृदय वाले करते हैं बड़े या अच्छे हृदय वालों के लिए तो सारी पृथ्वी ही एक परिवार के समान होती है।

3. येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः

ते मर्त्यलोके भुविभारभूता मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति ।।

हिन्दी अर्थ:- जिन लोगों के पास विद्या, तप, दान, शील, गुण और धर्म नहीं होता। ऐसे लोग इस धरती पर बोझ हैं और मनुष्य के रूप में

जानवर बनकर घूमते है।

4. न चोरहार्यं न राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।

व्यये कृते वर्धति एव नित्यं विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् ।।

हिन्दी अर्थ- इसे(विद्या को) न ही कोई चोर चुरा सकता है, न ही राजा छीन सकता है, न ही इसका भाइयों में बाँटा सकता है और न ही यह भार बढ़ाने वाली है। यह खर्च करने से बढ़ने वाला धन हमारी विद्या है जो सभी धनों से श्रेष्ठ है।

5. विद्या मित्रं प्रवासेषु, भार्या मित्रं गृहेषु च।

व्याधितस्यौषधं मित्रं, धर्मो मित्रं मृतस्य च ।।

हिन्दी अर्थ:- प्रवासी की मित्र विद्या, घर में पत्नी मित्र, मरीजों की मित्र औषधि और मृत्यु उपरांत मित्र धर्म ही होता है।

6. माता शत्रुःपिता वैरी येन बालो न पाठितः।

न शोभते सभामध्ये हंसमध्ये बको यथा ।।

हिन्दी अर्थ :- जो माता – पिता अपने बच्चों को नहीं पढ़ाते ऐसे माँ–बाप बच्चों के शत्रु के समान हैं क्योंकि विद्वानों की सभा में अनपढ़ व्यक्ति कभी सम्मान नहीं पा सकता। वह वहाँ हंसों के बीच एक बगुले की तरह होता है।

सोनाक्षी, कक्षा- अष्टमी

<u>सुभषितानि</u>

1. विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिःपरेषां परिपीडनाय।

खलस्य साधो: विपरीतम् एतत ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ॥

हिन्दी अर्थ:- दुष्ट व्यक्ति के लिए विद्या विवाद का कारण बनती है, धन

घमंड का कारण और शक्ति दूसरों को पीड़ा देने का साधन होती है। इसके विपरीत, सज्जन व्यक्ति के लिए विद्या ज्ञान का साधन है, धन दान का साधन और शक्ति रक्षा का साधन होती है। यह श्लोक बताता है कि गुणों का सही या गलत उपयोग व्यक्ति की प्रवृत्ति और चारित्रिक गुणों पर निर्भर करता है।

2. षड् दोषाः पुरुषेणेह हातव्या भूतिमिच्छिता ।
निद्रा तन्द्रा भयं क्रोध आलस्यं दीर्घसूत्रता ॥

हिन्दी अर्थः- संसार में उन्नति के अभिलाषी व्यक्तियों को नींद, तंद्रा, भय, क्रोध, आलस्य तथा देर से काम करने की आदत-इन छह दुर्गुणों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए ।

3. शनैःपन्थाःशनैःकन्था शनैःपर्वतलङ्घनम्।
शनैर्विद्या शनैर्वित्तं पञ्चैतानि शनैःशनैः॥

हिन्दी अर्थः- राह धीरे धीरे कटती है, कपड़ा धीरे धीरे बुनता है, पर्वत धीरे धीरे चढा जाता है, विद्या और धन भी धीरे-धीरे प्राप्त होते हैं, ये पाँचों कार्य धीरे-धीरे ही होते हैं।

4. उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत।
क्षुरासन्नधारा निशिता दुरत्यद्दुर्गं पथस्तत्कवयो वदन्ति॥

हिंदी अर्थः- उठो, जागो, और अपने लक्ष्य को प्राप्त करो। तेरे रास्ते कठिन हैं, और वे अत्यन्त दुर्गम भी हो सकते हैं लेकिन विद्वानों का कहना है कि कठिन रास्तों पर चलकर ही सफलता प्राप्त होती है।

5. कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतु र्भूर्मा ते संगोस्त्वकर्मणि।।

हिंदी अर्थः- कर्म करने में ही तेरा अधिकार है। कर्म के फल का अधिकार

तुम्हारे पास नहीं है इसलिए तू केवल कर्म पर ध्यान दे उसके फल की चिंता न कर।

सोनी खान, कक्षा- अष्टमी

संस्कृत सुविचार:

1. विद्या विहिन मनुष्य: पशुवत् भवति।

हिंदी अर्थ:– विद्या या ज्ञान के बिना मनुष्य पशु के समान होता है।

2. पुस्तकानि सर्वश्रेष्ठ मित्राणि सन्ति।

हिंदी अर्थ:– किताबें सबसे अच्छी मित्र होती हैं।

3. आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः

हिंदी अर्थ:– आलस्य ही मनुष्य के शरीर का सबसे बड़ा शत्रु है।

4. कठिन परिश्रमः धैर्यं च जीवने सफलतायाः मूलमन्त्राः सन्ति ।

हिंदी अर्थ:– कठिन परिश्रम और धैर्य ही जीवन मे सफलता के मूल मंत्र होते हैं।

5. संतोषवत् न किमपि सुखम् अस्ति ।

हिंदी अर्थ:– संतोष के समान कोई सुख नहीं है।

आरिशा मुईन, कक्षा- सप्तमी

संस्कृत सुविचार:

1. मन एव मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्षयोः

हिंदी अर्थ:– मन ही मनुष्य के बंधन और मोक्ष का कारण है।

2. परोपकारःपुण्याय पापाय परपीडनम्।

हिंदी अर्थ:– धर्म क्या है? दूसरों का भला करना ही धर्म है। यह पुण्य है. और अधर्म क्या है? इससे दूसरों को कष्ट हो रहा है. यह पाप है।

3. अति सर्वत्र वर्जयेत्।

हिंदी अर्थ:– हर जगह अति से बचें।

4. नातिक्रान्तानि शोचेत प्रस्तुतान्यनागतानि चित्यानि ।

हिंदी अर्थ:– अतीत को लेकर दुखी न हों। वर्तमान और भविष्य पर ध्यान दें।

5. जननी जन्मभुमिश्च स्वर्गादपि गरीयसि ।

हिंदी अर्थ:– माँ और मातृभूमि स्वर्ग के समान हैं।

जीविका, कक्षा- सप्तमी

संस्कृत सुविचार:

1. यद् भावं तद् भवति ।

हिंदी अर्थ:– आप जैसा सोचते हैं वैसा ही बन जाते हैं।

2. अनुगच्छतु प्रवाहं ।

हिंदी अर्थ:– प्रवाह के साथ जाओ।

3. यथा दृष्टि तथा सृष्टि।

हिंदी अर्थ:– जैसा आप देखते हैं वैसी ही दुनिया आपको दिखाई देती है।

4. अहिंसा परमो धर्मः

हिंदी अर्थ:– अहिंसा ही परम धर्म है।

5. आत्मनि विद्यते विश्वम् ।

हिंदी अर्थ:– सारा जगत स्वयं में विद्यमान है।

पुष्पेंद्र, कक्षा- सप्तमी

संस्कृत सुविचार:

1. सत्यमेव जयते।

हिंदी अर्थ:- सत्य की ही जीत होती है।

2. य: यथा चिन्तयति तथा आचरति।

हिंदी अर्थ:- जो जैसा सोचता है वैसा आचरण करता है।

3. जीवितं क्षणविनाशिशाश्वतं किमपि नात्र।

हिंदी अर्थ:- यहाँ क्षणभुंगर जीवन में कुछ भी शाश्वत नहीं है।

4. सर्वे कर्मवशा वयम्।

हिंदी अर्थ:- सब कर्म के ही अधीन हैं।

5. न श्वःश्वमुपासीत। को ही मनुष्यस्य श्वो वेद।

हिंदी अर्थ:- कल के भरोसे मत बैठो। कर्म करो, मनुष्य का कल किसे ज्ञात है?

रूपेश कुमार, कक्षा- सप्तमी

<u>पिपासितःकाकः (प्यासा कौआ)</u>



एकः काकः आसीत। सः पिपासितः आसीत। सः जलं पातुम् इच्छति। सः सर्वत्र भ्रमति किन्तु कुत्रापि जलं न पश्यति। सःएकम् उद्यानं गच्छति। तत्र एकःघटःअस्ति। काकःघटं पश्यति । घटे अल्पं जलम् आसीत। काकः जलं पातुं चेष्टां करोति किन्तु तस्य चञ्चुः जलं न स्पृशति। काकःअत्र-तत्र पश्यति, तस्य बुद्धिःन स्फुरति । सहसा सःशिलाखण्डसमूहं पश्यति । ततःशिलाखण्डम् आनयति। एकम् एकं शिलाखण्डं घटे पातयति । ततः जलम् उपरि आगच्छति। काकःजलं पिबति सानन्दं गच्छति च ।

हिंदी अर्थः- एक कौआ था। वह बहुत प्यासा था। वह पानी पीना चाहता है। वह हर जगह घूमता रहता है लेकिन कहीं भी पानी नहीं दिखाई देता। वह एक उद्यान में जाता है। वहाँ एक घड़ा है। कौआ बर्तन की ओर देखता है। घड़े में पानी कम था। कौआ पानी पीने की कोशिश करता है लेकिन उसके चोंच पानी को स्पर्श नहीं कर पाती। कौआ इधर-उधर देखता है। उसकी बुद्धि कार्य नहीं करती। अचानक उसे पत्थर के टुकड़ों का ढेर दिखाई देता है। फिर वह पत्थर ले जाकर एक-एक करके पत्थर के टुकड़े बर्तन में डालता है। फिर पानी ऊपर आ जाता है। कौआ पानी पीता है और खुशी-खुशी चला जाता है।

अनुष्का, कक्षा- षष्ठी

काकः सर्पःच (कौआ और सांप)





एकस्य वृक्षस्य शाखासु अनेके काकाःवसन्ति स्म । तस्य वृक्षस्य कोटरे एकः सर्पः अपि अवसत् । काकानाम् अनुपस्थितौ सर्पः काकानां शिशून् खादति स्म। काकाः दुखिताः आसन्। तेषु एकः वृद्धः काकः उपायम् अचिन्तयत् । वृक्षस्य समीपे जलाशयः आसीत्। तत्र एका राजकुमारी स्नातुं जलाशयम् आगच्छति । शिलायां स्थितं तस्याःआभरणम् आदाय

एकः काकः वृक्षस्य उपरि कोटरस्य समीपे अस्थापयत्। राजसेवकाः काकम् अनुसृत्य वृक्षस्य समीपम् अगच्छन् । तत्र ते तं सर्पं अपश्यत् च अमारयन् ।

अतःएवोक्तम्-उपायेन सर्वं सिद्धयति ।

हिंदी अर्थः- एक पेड़ की शाखाओं पर बहुत सारे कौवे रहते थे। उस पेड़ के बिल में एक साँप भी रहता था। कौवे की अनुपस्थिति में साँप ने कौवे के बच्चों को खा जाता था। कौवे उदास थे। उनमें से एक बूढ़े कौए को एक उपाय सूझा। पेड़ के पास ही एक जलाशय था। एक राजकुमारी जो स्नान करने के लिए जलाशय पर आती है। एक कौवे ने चट्टान से उसका आभूषण लाकर पेड़ के ऊपर बिल के पास रख दिया । नौकर कौवे के पीछे-पीछे पेड़ के पास पहुंचे। वहाँ उन्होंने उसे साँप को देखा और मार डाला। इसीलिए कहा जाता है कि उपाय करने से ही सब कुछ सिद्ध होता है।

तनिष्का, कक्षा- षष्ठी

राजा मूर्खः वानरः च

(राजा और मूर्ख बंदर)





एकः नृपस्य प्रियः वानरः आसीत् । सः अचिन्तियत् वानरः चतुरः

अस्ति। एकदा नृपः सुप्तः आसीत् । सः व्यजनेन तत् व्यजनं कुर्वन् आसीत्। तदैव एका मक्षिका नृपस्य नासिकायाम् उपाविशत् यद्यपि वानरः वारं वारम् व्यजनेन तां निवारयति स्म तथापि सा पुनःपुनःनृपस्य नासिकायामेव उपविशति स्म। अन्ते सःमक्षिकां हन्तुं खड्गेन् प्रहारम् अकरोत् । मक्षिका तु उड्डीय दूरम् गता, किन्तु खड्गप्रहारेण नृपस्य नासिका छिन्ना अभवत् । अत

एवोच्यते-"मूर्खजनैःसह मित्रता नोचिता।

हिंदी अर्थः- एक बंदर था जो राजा का पसंदीदा था। एक बार राजा सो रहा था। वह उसे पंखे से हवा दे रहा था । तभी एक मक्खी राजा की नाक पर बैठ गई और बंदर ने बार-बार पंखे से उसे रोका तो भी वह बार-बार राजा की नाक पर बैठती रही। अंततः उसने मक्खी को मारने के लिए उस पर अपनी तलवार से प्रहार किया मक्खी तो उड़ गई, लेकिन तलवार से राजा की नाक कट गई।

इसीलिए कहा गया है, "मूर्खों से मित्रता शोभा नहीं देती।

हितेश अग्रवाल, कक्षा- षष्ठी

समवायो हि दुर्जयः

(समुह को जीतना कठिन है अर्थात् एकता में शक्ति होती है)



पुरा एकस्मिन् वृक्षे एका चटका प्रतिवसति स्म। कालेन तस्याः सन्ततिः जाता। एकदा कश्चित् प्रमत्तः गजः तस्य वृक्षस्य अधः आगत्य तस्य शाखां शुण्डेन अत्रोटयत् । चटकायाः नीडं भुवि अपतत्। तेन अण्डानि विशीर्णाना। अथ सा चटका व्यलपत्। तस्याःविलापं श्रुत्वा काष्ठकूटःनाम खगः दुःखेन ताम् अपृच्छत्-" भद्रे, किमर्थं विलपसि?" इति। चटकावदत्-दुष्टेनैकेन गजेन मम सन्ततिः नाशिता। तस्य गजस्य वधेनैव मम दुःखम् अपसरेत्।"

ततः काष्ठकूटः तां वीणारवा-नाम्न्याः मक्षिकायाः समीपम् अनयत। तयोः वार्ता श्रुत्वा मक्षिकावदत्-"ममापि मित्र मण्डूकः मेघनादः अस्ति। शीघ्रं तमुपेत्य यथोचितं करिष्यामः।" तदानीं तौ मक्षिकया सह गत्वा मेघनादस्य पुरःसर्व वृत्तान्तं न्यवेदयताम्।

मेघनादः अवदत्- "यथाहं कथयामि तथा वुउरुतम्। मक्षिके। प्रथम त्वं मध्याह्ने तस्य गजस्य कर्ण शब्दं कुरु, येन सः नयने निमील्य स्थास्यति ।

तदा काष्ठकूटः चञ्चवा तस्य नयने स्फोटयिष्यति। एवं सः गजः अन्धः भविष्यति। तृषार्तः सः जलाशयं गमिष्यति। मार्गे महान् गर्त्तः अस्ति। तस्य अन्तिके अहं स्थास्यामि शब्दं च करिष्यामि। मम शब्देन तं गर्त जलाशयं मत्वा स तस्मिन्नेव गर्ने पतिष्यति मरिष्यति च।" अथ तथा कृते सः गजः मध्याह्ने मण्डूकस्य शब्दम् अनुसृत्य महतःगर्तस्य अन्तःपतितःमृतःच।

तथा चोक्तम्- "बहूनामप्यसाराणां समवायो हि दुर्जयः"

पहले समय में एक वृक्ष पर एक चिड़िया रहती थी । समय के साथ उसकी सन्तान उत्पन्न हुई। एकबार किसी पागल हाथी ने उस वृक्ष के नीचे आकर उसकी टहनी को सुंड से तोड़ दिया । चिड़िया का घोंसला जमीन पर गिर गया। इससे उसके अण्डे फूट गए। तब वह चिड़िया रोने लगी। उसके विलाप को सुनकर काषठकूट नामक पक्षी दुख पूर्वक उससे पूछा - "देवी, तू किस लिए रो रही है ? " चिड़िया बोली "एक दुष्ट हाथी ने मेरी सन्तान नष्ट कर डाली। उस हाथी की हत्या से ही मेरा दुख दुर होगा ।

तब काष्ठकूट उसे वीणारवा नामक एक मक्खी के पास ले गया। उनकी बातें सुनकर मक्खी बोली "मेरा भी एक मित्र मेघनाद नामक मेंढक है। शीघ्र उसके पास चलकर उचित कार्य करते हैं "। तब उन दोनों ने मक्खी के साथ जाकर मेघनाद के सामने सारा किस्सा (वृत्तांत) बताया ।

मेघनाद बोला "जैसा मैं कहता हूँ वैसा करो। हे मक्खी! पहले तुम दोपहर के समय उस हाथी के कान में शब्द करो जिससे वह आँखे बंद करके पड़ा रहेगा" तब काष्ठकूट चोंच से उसकी आँखें फोड़ डालेगा । इस प्रकार वह हाथी अन्धा हो जाएगा। प्यास से व्याकुल वह तालाब की ओर जाएगा । रास्ते में विशाल गड्ढा है । उसके पास मैं खड़ा हो जाऊँगा और शब्द (टर्र - टर्र)

करूँगा । मेरे शब्द के द्वारा उस गड्ढे को तालाब मानकर वह उस गड्ढे में ही गिर पड़ेगा और मर जाएगा । तब वैसा करने पर वह हाथी दोपहर के समय में मेंढक के शब्द का अनुसरण करके बड़े गड्ढे के अन्दर गिरा और मर गया । और वैसे कहा गया है अनेक निर्बल (छोटे प्राणियों) को संगठन(समूह) में जीतना मुश्किल होता है)

संस्कृत गीतम्

विमानयानं रचयाम

राघव ! माधव ! सीते ! ललिते !
विमानयामं रचयाम ।
नीले गगने विपुले विमले
वायुविहारं करवाम ।

उन्नतवृक्षं तुङ्गं भवनं
क्रान्त्वाकाशं खलु याम ।
कृत्वा हिमवन्तं सोपानं
चन्दिरलोकं प्रविशाम ॥ १ ॥

शुक्रश्चन्द्रःसूर्यो गुरुरिति
ग्रहान् हि सर्वान् गणयाम ।
विविधाःसुन्दरताराश्चित्वा
मौक्तिकहारं रचयाम ॥ २ ॥

अम्बुदमालाम् अम्बरभूषाम्
आदायैव हि प्रतियाम।
दुःखित-पीडित-कृषिकजनानां
गणेषु हर्षं जनयाम ॥ ३ ॥

संयम, कक्षा-षष्ठी

शूरा वयं धीरा वयं

शूरा वयं धीरा वयं वीरा वयं सुतराम।
गुणशालिनो बलशालिनो नयगामिनो नितराम।।1

दृढमानसा गतलालसा प्रियसाहसा सततम्।
जनसेवा अतिभावुका शुभचिंतका नियतम्॥2

धनकामना सुखवासना न च पंचना हृदये।
ऊर्जस्वला विक्टोला अतिनिश्चला विजये॥3

गतिभीतयो धृतनीतयो दृढशक्तयो निखिलाः।
यमो वयं समरांगणं विजयार्थिनो बाला॥4

जगदीश हे परमेश हे सकलेश हे भगवान।
जयमङ्गलं परमौज्ज्वलं नो देहि हे भगवान॥5

जैसनूर, कक्षा-षष्ठी

Vidyalaya Activities

DEPUTY COMMISSIONER'S VISIT






विद्यालय
स्वागत







ANNUAL PANEL INSPECTION













ONLINE LOTTERY OF CLASS I ADMISSION











FLN



INCHARGE

MR HITESH KUMAR, PRT

MEMBERS

MR. SHRI KRISHAN, PRT

MR. SUPRIYA PAL






Honeybee












पर्यावरण संरक्षण पर चित्रकारी





CCA



INCHARGE

MRS. SUKHVINDER KAUR, TGT-HINDI

MEMBERS

MR. SUSHIL, TGT-SANSKRIT

MRS. PRIYA MALIK, PRT

MR. ANKUSH KUMAR, PRT-MUSIC

Har Ghar Trianga





Independence Day





Swachhata Pakhwada





Nukkad Natak




Hindi Pakhwada





Rakhi Making Competition




Kite Making Competition





Spell Bee Competition









Thread Painting Competition





BAHART SCOUT & GUIDE(BS&G)



INCHARGE

MR. AJAY KUMAR,PRT

MEMBERS

MRS. VIJAYA, LIBRARIAN

MR. HITESH KUMAR

MRS. PRIYA MALIK



























EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT(EBSB)



INCHARGE

MR. AZAD KUMAR, TGT-SOCIAL SCIENCE

MEMBERS

MR. ANKUSH KUMAR, PRT-MUSIC

Video conferencing with KV Sircilla, Telengana





CULTURAL ACTIVITIES





Essay writing competition on paired state Telengana









ADOLESCENCE EDUCATION PROGRAMME (AEP)



INCHARGE

DR. ANJANA, TGT-ENGLISH

MEMBERS

MR. SUSHIL, TGT-SANSKRIT

MS. SUPRIYA PAL, PRT






KENDRIYA VIDYALAYA
Adolescence Education




Adolescence Education Programme



PARENTS-TEACHERS MEETING (PTM)


केन्द्रीय विद्यालय बिलासपुर
अभिभावक शिक्षक संघ


P.T.M
Parent's Teacher Meeting
-CLASS-8th






Kendriya Vidyalaya
Bilaspur
Parent Teachers Meeting

MEDICAL CHECK UP



INCHARGE

DR. ANJANA, TGT-ENGLISH

MEMBER

MS. PREETI SHUKHLA, TGT- PHE


केन्द्रीय विद्यालय बिलासपुर
मेडिकल-चैक-अप
कैम्प
दिनांक-30.01.2024





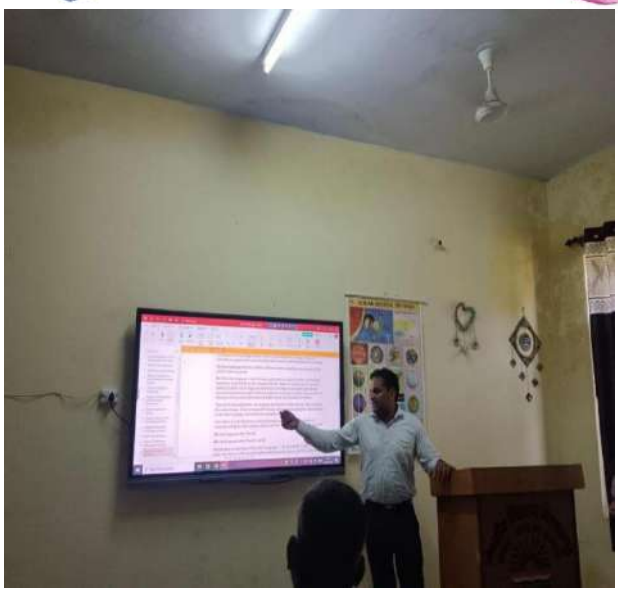

केन्द्रीय विद्यालय बिलासपुर
मेडिकल-चैक-अप
कैम्प
दिनांक-30.01.2024
राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम

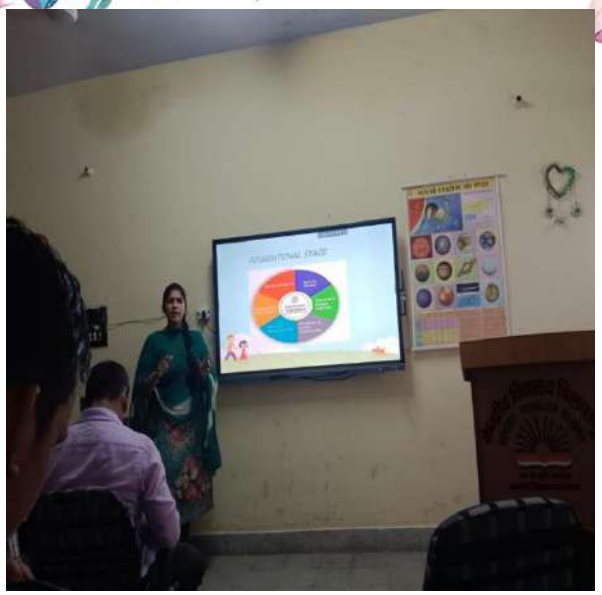



केन्द्रीय विद्यालय बिलासपुर
मेडिकल-चैक-अप
कैम्प

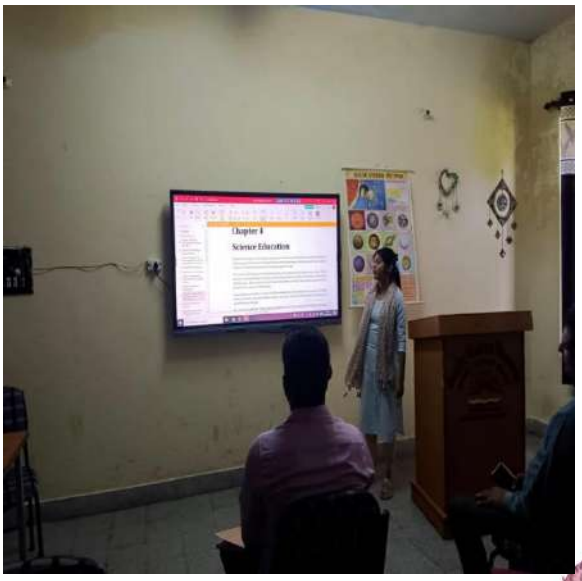
CPD

(Continuous Professional Development)













LIBRARY CLUB



INCHARGE

MRS. VIJAYA, LIBRARIAN

MEMBERS

MR. AJAY KUMAR, PRT

MR. VIKRAM SHARMA, PRT

पुस्तक उपहार





पुस्तक दिवस





बाल पुस्तक सप्ताह










CHILDREN BOOK
WEEK


कहानी वाचन प्रतियोगिता
केंद्रीय विद्यालय बिलासपुर
KENDRIYA VIDYALAYA BILASPUR


कहानी वाचन प्रतियोगिता
6 सितं 24
केंद्रीय विद्यालय बिलासपुर
KENDRIYA VIDYALAYA BILASPUR


समाचार पत्र

GAMES AND SPORTS



INCHARGE

MS. PREETI SHUKHLA

MEMBERS

MR. AJAY KUMAR, PRT

MR. VIKRAM SHARMA, PRT

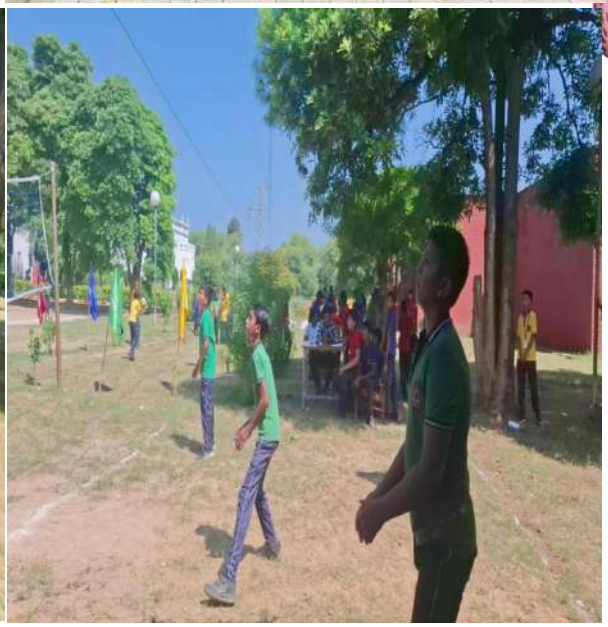












FOUNDATIONAL CITIZEN PROGRAMME (FCP)

MEMBERS



MRS. VIJAYA, LIBRARIAN



MR. SUSHIL, TGT-SANSKRIT








FINANCIAL LITERARCY CAMP


SBI भारतीय स्टेट बैंक
वित्तीय साक्षरता शिविर
FINANCIAL LITERACY CAMP


SBI भारतीय स्टेट बैंक
वित्तीय साक्षरता शिविर
FINANCIAL LITERACY CAMP




SBI भारतीय
वित्तीय साक्ष
FINANCIAL LI Y CAMP

Remedial Classes

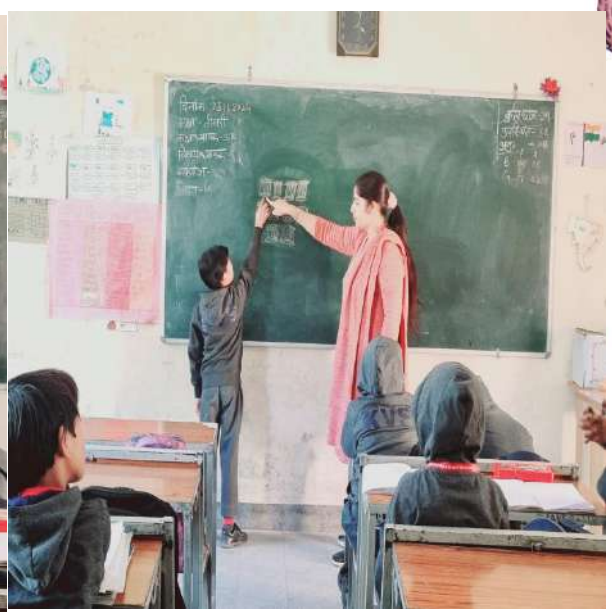

Remedial classes work
Sentence Formation








Maths
Remedial class



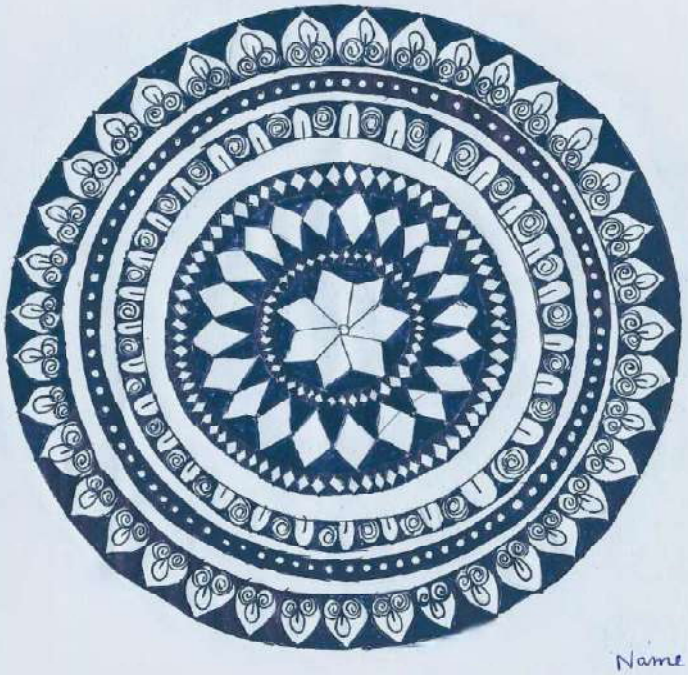
Canvas Corner





NAME :- SANYAM ARYA
CLASS :- VI Roll no :- 28

13/July/2024



Name = Avnishi

Class = 8th

Roll No = 2





Made by :- Pranav
Class :- 8th




Made by:-Prajnan
Class:- 8th


Radhika




Name-Jaini
Class-4th A
Roll-No-
School
XYZ
Krishna Radha




केन्द्रीय विद्यालय
बिलासपुर, यमुना नगर
KENDRIYA VIDYALAYA
BILASPUR, YAMUNA NAGAR